

## रक्षा उपकरण निर्माण में नज़ी क्षेत्र की भागीदारी

### चर्चा में क्यों?

हाल ही में रक्षा अधिग्रहण परिषद् (Defence Acquisition Council -DAC) ने एक अहम निर्णय लेते हुए घरेलू रक्षा वनिर्माण में नज़ी क्षेत्र की भागीदारी को मंजूरी प्रदान की।

### अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- यह दशिया-नरिदेश SP मॉडल (Strategic Partnership Model) से संबंधित है। जिसमें मुख्यतः चार खंड हैं - पनडुबबियाँ, एकल इंजन लड़ाकू विमान, हेलीकॉप्टर और बख्तर बंद वाहक/मुख्य युद्धक टैंक।
- इस नीति के तहत प्रत्येक खंड में एक भारतीय नज़ी कंपनी का चयन किया जाएगा जो प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के तहत भारत में प्लेटफार्मों का निर्माण करने के लिये शॉर्टलस्ट किये गए वैश्विक उपकरण निर्माताओं के साथ गठजोड़ करेगी।
- इस महत्वाकांक्षी नीति को पिछले साल मई में लागू किया गया, लेकिन वशिष्ट दशिया-नरिदेशों की कमी के कारण इसकी प्रगति में देरी हुई।
- DAC ने नौसेना उपयोगिता हेलीकॉप्टरों की खरीद के लिये मंच वशिष्ट दशिया-नरिदेशों को भी मंजूरी दी। अन्य श्रेणियों के लिये भी इसी तरह के दशिया-नरिदेश जल्द ही जारी किये जाएंगे।
- मंत्रालय ने कहा कि SP मॉडल के तहत वशिष्ट रूप से गठित कर्मचारी समितियों द्वारा सभी खरीद पर वशिष्ट रूप से ध्यान केंद्रित करते हुए इनका समय पर निषादन सुनिश्चित किया जाएगा।
- एक अन्य निर्णय में DAC ने कोस्ट गार्ड (Coast Guard) के लिये 800 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत पर आठ फास्ट पैट्रोल वेसल्स (Fast Petrol Vessels) के अधिग्रहण की स्वीकृति दी, जो कस्वदेशी रूप से डिज़ाइन और निर्मित होंगे।

### SP मॉडल

- रक्षा मंत्रालय द्वारा प्रदत्त एक मॉडल है।

**उद्देश्य** - रक्षा औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र को पुनर्जीवित करना और सशस्त्र बलों की भविष्य की ज़रूरतों के लिये जटिल हथियार प्रणाली के डिज़ाइन, विकास और निर्माण के लिये नज़ी क्षेत्र में स्वदेशी क्षमताओं का निर्माण करना।

**रक्षा अधिग्रहण परिषद् (Defence Acquisition Council -DAC)** - रक्षा खरीद प्रक्रिया के समग्र मार्गदर्शन के लिये रक्षा मंत्री के अधीन गठित परिषद् (DAC)

**Fast Petrol Vessel**- एक गश्ती नौका (जिस गश्ती शलिप, गश्ती जहाज़ के रूप में भी जाना जाता है) एक अपेक्षाकृत छोटा नौसेना पोत है जिस आमतौर पर तटीय रक्षा कार्यों के लिये डिज़ाइन किया जाता है।

### स्रोत – द हिंदू